शैक्षिक सत्र–2026–27
(24) ट्रेड–विपणन तथा विक्रय कला
कक्षा–12

पाठ्यक्रम की उपयोगिता––

विपणन तथा विक्रय कला वर्ग का अध्ययन करने के बाद छात्र निम्न प्रकर के रोजगार कर सकता है––

1––सामान्य विक्रेता,
2––विक्रय सहायक/काउन्टर विक्रेता,
3––निर्यात विक्रेता,
4––फुटकर विक्रेता,
5––थोक विक्रेता,
6––विक्रय प्रतिनिधि,
7––विज्ञापन एजेन्सियों में कर्मचारी के रूप में।

उद्देश्य––

विपणन एवं विक्रय कला पाठ्यक्रम का उद्देश्य अच्छे विक्रेता तैयार करना है। इसके लिये उन्हें ग्राहकों के स्वागत करने उनकी आवश्यकताओं का पता लगाने तथा उन्हें पूरा करने, वस्तुओं के प्रदर्शन करने, ग्राहकों के तर्कों तथा शंकाओं का समाधान करने, विक्रय व्यक्तित्व के विकास करने तथा विभिन्न विक्रय अभिकरणों के सम्बन्ध में पूर्ण ज्ञान प्रदान करना है। इसका उद्देश्य बाजार की दशाओं, समस्याओं एवं विक्रय प्रक्रियाओं के सम्बन्ध में भी ज्ञान देना है, जिससे व्यावहारिक जीवन में वे सफल विक्रेता बन सके।

पाठ्यक्रम––

इस ट्रेड में तीन–तीन घण्टे के पांच प्रश्न–पत्र और प्रयोगात्मक परीक्षा भी होगी। अंकों का विभाजन निम्नवत् रहेगा––

	पूर्णांक		उत्तीर्णांक	
(क) सैद्धान्तिक––				
प्रथम प्रश्न–पत्र–बहीखाता तथा लेखाशास्त्र––I	60	300	20	100
द्वितीय प्रश्न–पत्र–बहीखाता तथा लेखाशास्त्र––II	60		20	
तृतीय प्रश्न–पत्र––व्यावसायिक एवं कार्यालय संगठन	60		20	
चतुर्थ प्रश्न–पत्र––विपणन तथा विक्रय कला	60		20	
पंचम प्रश्न–पत्र––विपणन तथा विक्रय कला	60		20	
(ख) प्रयोगात्मक––				
आन्तरिक परीक्षा	200	400	200	
बाह्य परीक्षा	200			

टीप––परीक्षार्थियों के प्रत्येक प्रश्न–पत्र में न्यूनतम उत्तीर्णांक 20 तथा योग में 33 प्रतिशत अंक एवं प्रयोगात्मक परीक्षा में 50 प्रतिशत उत्तीर्णांक पाना आवश्यक है।

सैद्धान्तिक पाठ्यक्रम––प्रथम प्रश्न–पत्र
(बहीखाता तथा लेखाशास्त्र––I)

अधिकतम––60 अंक
न्यूनतम––20 अंक

1––प्रेषण संयुक्त साहस खाते, चालू हिसाब और औसत भुगतान विधि। 20
2––साझेदारी फर्म के खाते––प्रवेश, निवृत्त, मृत्यु तथा साझेदारी समापन की दशा में। 20
3––भारतीय बही खाता पद्धति के सैद्धान्तिक अध्ययन और बहियों का प्रयोग। 20

द्वितीय प्रश्न–पत्र
(बहीखाते तथा लेखाशास्त्र––II)

अधिकतम––60 अंक
न्यूनतम––20 अंक

1––कम्पनी खाते–– अंशों का निर्गमन तथा आहरण, बोनस, अंश ऋण पत्रों का निर्गमन एंव शोधन कम्पनी के अन्तिम खाते (कम्पनी अधिनियम, 1956 के अनुसार)। 20

2––इकहरा लेखा प्रणाली। 20

3––उधार क्रय–विक्रय निकालना (देय बिल एवं प्राप्त बिल खाते सहित)। 20

तृतीय प्रश्न–पत्र

(व्यावसायिक एवं कार्यालय संगठन)

अधिकतम––60 अंक
न्यूनतम––20 अंक

1––कार्यालय उपकरण, श्रम, बचत, उपकरण। 20

2––विवरण के माध्यम, थोक व्यापार, फुटकर व्यापार, श्रंखला दुकानें, विभागीय भण्डार, डाक द्वारा व्यापार। 20

3––बीजक (देशी तथा विदेशी) तथा बिक्री विवरण तैयार करना। 20

चतुर्थ प्रश्न–पत्र

(विपणन तथा विक्रय कला)

अधिकतम––60 अंक
न्यूनतम––20 अंक

(1) कृषि विपणन व्यवस्था के दोष तथा सरकार द्वारा उठाये गये कदम (सार्वजनिक वितरण प्रणाााली, मण्डी समिति तथा संगठन)। 10

(2) औद्योगिक वितरण की आवश्यकता एवं महत्व तथा विभिन्न पहलू। 10

(3) औद्योगिक विपणन के विभिन्न अभिकरण। 10

(4) महत्वपूर्ण औद्योगिक उत्पादनों का विपणन, सीमेन्ट, लोहा तथा इस्पात एवं चीनी। 10

(5) निर्यात विपणन, निर्यात नीति, निर्यात प्रक्रिया, निर्यात विपणन की समस्यायें, निर्यात सम्बन्धन तथा उसके लिए उठाये गये कदम। 20

पंचम प्रश्न–पत्र

(विपणन तथा विक्रय कला)

अधिकतम––60 अंक
न्यूनतम––20 अंक

(1) वैज्ञानिक विज्ञापन का अर्थ, आधुनिक व्यापार के महत्व, विज्ञापन के आर्थिक एवं सामाजिक महत्व। 20

(2) विपणन के माध्यम। 10

(3) विभिन्न प्रकार की विज्ञापन प्रतियों की तैयारी एवं सीमायें। 10

(4) उपभोक्ता संरक्षण एवं एम0आर0टी0पी0 ऐक्ट के सन्दर्भ में। 10

(5) बाजार रिपोर्ट की तैयारी एवं निर्वाचन। 10

प्रयोगात्मक पाठ्यक्रम

अधिकतम––400 अंक
न्यूनतम––200 अंक

बड़े प्रयोग––

सूची––"क" दिये गये निर्देशों के अनुसार पत्र तैयार करना, पूछ–ताछ के पत्र, निर्ख (कोटेशन), आदेश–पत्र, सूचना–पत्र, सन्दर्भ पत्र, क्रय आदेश–पत्र, विक्रय–पत्र, ग्राहकों के क्रय के लिए प्रेरित करने वाले पत्र, तकादे के पत्र, स्मृति–पत्र, शिकायती–पत्र, गश्ती–पत्र, एजेन्सी सम्बन्धी पत्र, बैंक व बीमा सम्बन्धी पत्र, परिचय पत्र, सरकारी पत्र, अर्द्ध सरकारी पत्र, सिफारशी पत्र नौकरी हेतु आवेदन–पत्र, नियुक्ति–पत्र।

सूची (ख)––

बैंकों में खाता खोलने के लिये विभिन्न पत्रों को भरना, चेक का लिखना, बिल लिखना, बीजक बनाना, विक्रय प्रपत्र, डेबिट नोट, क्रेडिट नोट, प्रतिक्षा पत्र (देशी–विदेशी), विज्ञापन के लिये प्रति तैयार करना, बाजार रिपोर्ट तैयार करना।

छोटे प्रयोग––

सूची (क)––

फारवर्डिंग नोट करना, रेलवे रसीद (आर0आर0), निर्यात प्रक्रिया में प्रयोग होने वाले प्रपत्रों को भरना, कन्साइनमेंट नोट भरना, जी0आर0 फार्म भरना, मनीआर्डर एवं तार फार्म भरना।

सूची (ख)––

समय व श्रम बचाने वाले यंत्रों की जानकारी एवं प्रयोग जैसे कलकुलेटर्स, डेटिंग मशीन, पंचिग मशीन, चेक राइटिंग मशीन, एडिंग मशीन, रिकार्डर, स्टाम्प वाच, रेडी रेकनर आदि।

प्रयोगात्मक परीक्षा हेतु अंक विभाजन

1––बाह्य परीक्षक द्वारा परीक्षा– 200 अंक

(क) चार बड़े प्रयोग (20+20+20+20) बड़े प्रयोगों की सूची के प्रत्येक खण्ड से दो–दो।

(ख) चार छोटे प्रयोग (10+10+10+10) छोटे प्रयोगों की सूची के प्रत्येक खण्ड से दो–दो।

(ग) मौखिकी (40 अंक) प्रयोगों की सूची के आधार पर।

(घ) प्रैक्टिकल नोट–बुक एवं विभिन्न प्रपत्रों का संकलन (40 अंक)।

2––आन्तरिक परीक्षा––200 अंक

(क) सत्रीय कार्य (100 अंक)

सत्रीय कार्यक्रम का विभाजन

	अंक
उपस्थिति अनुशासन	10
लिखित कार्य	20
लिखित कार्य	50
मौखिकी	20
योग. .	100 अंक

(ख) औद्योगिकी प्रतिष्ठानों द्वारा प्रदत्त श्रेणी के आधार पर 100 अंक।

प्रस्तुत पुस्तकें––

क्रमांक	पुस्तक का नाम	लेखक का नाम	प्रकाशक का नाम एवं पता	मूल्य	संस्करण वर्ष
1	2	3	4	5	6
		सर्वश्री––		रु0	
1	व्यापारिक संगठन पत्र–व्यवहार एवं बाजार वितरण भाग–1	पी0पी0 भार्गव	श्री राम मेहरा एण्ड कम्पनी, हास्पिटल रोड, आगरा	30.00	1988–89
2	व्यापारिक संगठन पत्र–व्यवहार एवं बाजार विवरण, भाग–2	पी0पी0 भार्गव	"	30.00	1988–89
3	बाजार व्यवस्था	पी0पी0 भार्गव	यूनिवर्सल बुक डिपो, लखनऊ	35.00	1988

उपचारात्मक शिक्षण हेतु चार यूनिट टेस्ट निम्नलिखित है–

(i) प्रथम यूनिट टेस्ट (MCQ आधारित) जुलाई द्वितीय सप्ताह 20 अंक
(10 अंक ग्रीष्मावकाश गृहकार्य + 10 अंक यूनिट टेस्ट)

(ii) द्वितीय यूनिट टेस्ट (वर्णनात्मक प्रश्न आधारित) अगस्त अन्तिम सप्ताह 20 अंक

(iii) तृतीय यूनिट टेस्ट (MCQ आधारित) नवम्बर अन्तिम सप्ताह 20 अंक

(iv) चतुर्थ यूनिट टेस्ट (वर्णनात्मक प्रश्न आधारित) दिसम्बर अन्तिम सप्ताह 20 अंक

नोट– उपरोक्त यूनिट टेस्ट उपचारात्मक शिक्षण के अन्तर्गत विद्यालय स्तर पर लिये जायेंगे। इनके प्राप्तांक परीक्षफल में सम्मिलित नहीं किये जायेंगे।